













# संसद का मौनसून सत्र हुंगामे के हवाले

लोकसभा में 31% तो राज्यसभा में 38 फीसदी काम



**नवी दिल्ली :** देश के बड़े समाजवादी नेता डॉक्टर राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि सड़कें अगर खामोश होंगी तो संसद आवाहा हो जाएगी। उनका मतलब ये था कि किसी भी लोकतंत्र को जागाएँ रखने के लिए जनता को खुद जाना चाहा होगा। इसी विषय पर ये नारा दाक करके हम आपको संसद के मौनसून सत्र के आखिरी दिन का बोहोचार दिलाना चाहते हैं, जो बताता है कि 120 घंटे तक संसद का चलना था, वहां 37 घंटे काम हुआ है। मौनसून सत्र में लोकसभा में जिन सदनों को 120 घंटे देश के द्वारा मौनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चलती और जिस तरह चलती है, उसका हिसाब सुनेंगे तो लोगों का काम हुआ। 83 घंटे बर्बाद कर दिए गए। यानी 31 फीसदी काम हुआ। 69 फीसदी समय परी सियासत-तुम्हारी सियासत के नाम हांगमे में बहा दिया गया और यही राज्यसभा में हुआ। जहां 120 घंटे के काम के नाम पर 47 घंटे काम करके सदनों ने अपने देश के द्वारा दिये गए 73 घंटों को बर्बाद कर दिया। यानी 38 फीसदी काम किया। 62 फीसदी समय का जनता के लिए इस्तेमाल ही नहीं किया गया। आम आदमी तो संसद में 350 किमी दूर उत्तर प्रदेश के बलिया में भी सोचता

रहता है कि उम्मीद की कोई किरण तो जनतानीधि ही निकाल सकते हैं। जहां जनता का इलाज बिजली ना होने पर मोबाइल टार्फ की रोशनी में किया जाता है। यहीं आम आदमी इस भोजने में रहता है कि जिन्हें चुनकां संसद भेजा है, वही सार्थक बहस करके नई अलगा जाएगा।

**79वें स्वतंत्रता दिवस पर 79 घंटे भी नहीं चली संसद**

देश जब 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाता है। तब उस दौरान मौनसून सत्र में 79 घंटे भी संसद नहीं चलती और जिस तरह चलती है, उसका हिसाब सुनेंगे तो लोगों का काम हुआ। 37 घंटे बर्बाद कर दिए गए। यानी 31 फीसदी काम हुआ। 69 फीसदी समय परी सियासत-तुम्हारी सियासत के नाम हांगमे में बहा दिया गया और यही राज्यसभा में हुआ। जहां 120 घंटे के काम के नाम पर 47 घंटे काम करके सदनों ने अपने देश के द्वारा दिये गए 73 घंटों को बर्बाद कर दिया। यानी 38 फीसदी काम किया। 62 फीसदी समय का जनता के लिए इस्तेमाल ही नहीं किया गया। आम आदमी तो संसद में 350 किमी दूर

उत्तर प्रदेश के बलिया में भी सोचता

## जनता के 204 करोड़ रुपए बर्बाद!

जिन्हें अलख जगानी थी, उन सांसदों ने देश की संसद के मौनसून सत्र में क्या किया? इसका हिसाब सुनकर हंसी आएगी। लोकसभा में 85 घंटे काम नहीं हुआ। यानी 124 करोड़, 50 लाख रुपए जनता का बर्बाद कर दिया गया। राज्यसभा में 73 घंटे की बर्बादी मतलब 80 करोड़ रुपए। मतलब दोनों सदनों में मिलाकर 204 करोड़ 50 लाख रुपए बर्बाद कर दिए गए।

## राजनीति बढ़ती गई, चर्चा घटती गई

संसद पहले ज्यादा चलती थी। धीरे-धीरे जगती बढ़ती गई। भारत की पहली लोकसभा 14 सत्र में 3784 घंटे तक चली थी, अगर आकड़ों पर नजर डालें तो 1974 तक लगातार बैठकों की संख्या हर लोकसभा कार्यकाल में 100 से ज्यादा रही। 1974 के बाद 2011 तक केवल 5 बार ऐसा हुआ कि सदन में बैठकों की संख्या 100 के पार गई। पहली लोकसभा में 333 बिल पास हुए थे। 17ीं लोकसभा यानी पिछली लोकसभा में 2019 से 2024 के बीच 222 बिल पास हुए। इस बार संसद में हांगमे के बीच जनता के लिए जरूरी बिल पास हुए हैं, लेकिन विषय की तरफ से बिना चर्चा किए हुए।

## मौनसून सत्र के दौरान लोकसभा में 12 और राज्यसभा में 15 विधेयक पारित

संसद के महीने भर चले मौनसून सत्र के दौरान लोकसभा में 12 और राज्यसभा में 15 विधेयक पारित किए गए। हालांकि सत्र के दौरान बिहार में मतलबों की लेकर दोनों सदनों में हांगमे हुआ कि जिसके कार्यवाही बाब-बार बाधित हुए। सत्र की रुचि आत 21 जुलाई को हुई थी और पारित कर्ताओं में एसआईआर मुहूर पर चर्चा की मांग को लेकर और बाब-बार में एसआईआर मुहूर पर चर्चा की मांग के चलते व्यवधान उत्पन्न होते रहे। इन कारणों से दोनों सदनों में कामकाज बहुत कम हुआ। ‘आपरेशन सिंदूर’ पर दोनों सदनों में चर्चा हुई। लेकिन इसके अलावा अधिकतर समय हांगमे की भैंस चढ़ गया। राज्यसभा में हांगमे की वजह से एक बार भी शून्यकाल और प्रश्नकाल सामान्य तरीके से नहीं हो पाया।

## सभी राज्यों में कैंसर को अधिसूचित रोग घोषित किया जाना चाहिए : संसदीय समिति

**नवी दिल्ली :** एक संसदीय समिति ने सरकार से सिफारिश की है कि सभी राज्यों और केंद्र सारित श्रेष्ठों के लिए विधेयक पारित किए गए। हालांकि सत्र के दौरान बिहार में मतलबों की लेकर दोनों सदनों में हांगमे हुआ कि जिसके कार्यवाही बाब-बार बाधित हुए। सत्र की रुचि आत 21 जुलाई को हुई थी और पारित कर्ताओं में एसआईआर मुहूर पर चर्चा की मांग को लेकर और बाब-बार में एसआईआर मुहूर पर चर्चा की मांग के चलते व्यवधान उत्पन्न होते रहे। इन कारणों से दोनों सदनों में कामकाज बहुत कम हुआ। ‘आपरेशन सिंदूर’ पर दोनों सदनों में चर्चा हुई। लेकिन इसके अलावा अधिकतर समय हांगमे की भैंस चढ़ चढ़ गया। राज्यसभा में हांगमे की वजह से एक बार भी शून्यकाल और प्रश्नकाल सामान्य तरीके से नहीं हो पाया।

मामलों को देखते हुए, मौजूदा रुक्ष पर गंभीरता से पुर्वविचार की अवधिकता है। भारत में कैंसर के बढ़ते मामलों के देखते हुए समिति का मानना है कि कैंसर को अधिसूचित रोग घोषित करने से व्यवसित जानकारी सुनिश्चित होगी, वास्तविक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, निगरानी मन्त्रित होगी और साक्ष-आधारीत नीति निर्माण संभव होगा।

कुछ राज्यों को हांगमे हुए हैं, जहां रुक्षों के लिए विश्वसनीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है। लेकिन इसके कारणों से एक संसदीय समय में ये अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि लोक स्वास्थ्य से जुड़े मुहूर, विशेष रूप से कैंसर के लिए विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, निगरानी मन्त्रित होगी और साक्ष-आधारीत नीति निर्माण संभव होगा।

अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है। लेकिन इसके कारणों से एक संसदीय समय में ये अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि लोक स्वास्थ्य से जुड़े मुहूर, विशेष रूप से कैंसर के लिए विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध होंगे, निगरानी मन्त्रित होगी और साक्ष-आधारीत नीति निर्माण संभव होगा।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है। समाज की रुचि आत 21 जुलाई को हुई थी और पारित कर्ताओं में एसआईआर मुहूर पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

मौजूदा रुक्ष पर चर्चा की अधिकारी अधिकारी विश्वासीय आकलन के लिए एसआईआर मुहूर पर व्यवधान दिया गया है।

&lt;p



भारतीय राष्ट्रीय संसदीय सरकारी प्राप्तिकरण

# विकसित बंगाल विकसित भारत



## पश्चिम बंगाल की जनता को लगभग ₹5,200 करोड़ की परियोजनाओं का उपहार नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

सियालदह-एस्प्लानेड सेक्टर (ग्रीन लाइन)  
बेलैघाटा-हेमंत मुख्योपाध्याय सेक्टर (ऑरेंज लाइन)  
नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर सेक्टर (येलो लाइन)  
एवं  
हावड़ा मेट्रो स्टेशन पर नया सबवे

का उद्घाटन

सियालदह-एस्प्लानेड (ग्रीन लाइन)  
बेलैघाटा-हेमंत मुख्योपाध्याय (ऑरेंज लाइन)  
नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर (येलो लाइन)

मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

### 6 लेन एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे, NH-12

का शिलान्यास

मुख्य विशेषताएं और लाभ

मेट्रो परियोजनाएं

#### ग्रीन लाइन (सियालदह-एस्प्लानेड)

लंबाई: 2.45 किमी | लागत: ₹1185 करोड़

- हावड़ा मेट्रो से साल्ट लेक सेक्टर V तक का अंतिम लिंक
- मेट्रो से हावड़ा और सियालदह तक का सफर 45 मिनट की जगह 11 मिनट में होगा पूरा
- बीबीडी बाग, एस्प्लेनेड और साल्ट लेक-न्यू टाउन में छात्रों और पेशेवरों के लिए बड़ी राहत

#### येलो लाइन (नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर)

लंबाई: 6.77 किमी | लागत: ₹1866 करोड़

- अब कोलकाता एयरपोर्ट सीधे मेट्रो नेटवर्क से जुड़ा
- हवाई अड्डे तक यात्रा का समय 1 घंटे से घटकर हुआ 10 मिनट
- दम दम कैटोनमेंट में इंटरचेंज से शहर और उपनगरों तक आसान कनेक्टिविटी

#### ऑरेंज लाइन (बेलैघाटा - हेमंत मुख्योपाध्याय )

लंबाई: 4.39 किमी | लागत: ₹875 करोड़

- कवि सुभाष से बेलैघाटा तक मोजूदा लाइन का विस्तार
- बेलैघाटा से कवि सुभाष तक की यात्रा अब केवल 23 मिनट में पूरी
- कोलकाता, उत्तर और दक्षिण 24 पर्याना जिलों के निवासियों को मिलेगा लाभ

#### हावड़ा स्टेशन पर नया सबवे

लागत: ₹43 करोड़

- मेट्रो और ईस्टर्न/साउथ-ईस्टर्न रेलवे के बीच सुविधापूर्ण इंटरचेंज
- समय की बहत और यात्रा में मिलेगी अतिरिक्त सुविधा

#### विश्वस्तरीय स्टेशन और सुविधाएँ

- नए स्टेशन: वीआईपी बाजार, क्रत्तिक घटक, बलण सेनगुप्ता, बेलैघाटा, दमदम कैटोनमेंट, जैसोर रोड, जय हिंद विमानबंदर
- आधुनिक सुविधाएँ: लिफ्ट, एस्केलेटर, स्वच्छ पेयजल, आधुनिक शौचालय और सुरक्षा व्यवस्था

#### 6 लेन एलिवेटेड कोना एक्सप्रेसवे (NH-12, लंबाई: 7 किमी, लागत: ₹1200 करोड़ से अधिक )

- यातायात जाम और वाहनों द्वारा कार्बन उत्सर्जन में कमी, वायु गुणवत्ता में सुधार
- डायमंड हार्ड, काकटीय पौधे और वक्षवाली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुँच आसान बनाकर पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ावा
- NH-16, NH-19, NH-116, NH-2E और NH-34 को जोड़ते हुए क्षेत्रीय यात्रा को सुगम बनाता है

#### गणितीय उपस्थिति

#### डॉ. सी.वी. आनंद बोस

राज्यपाल, पश्चिम बंगाल

#### ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

#### अरिविनी वैष्णव

केंद्रीय देल, सूचना एवं प्रसारण,  
और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

#### शांतनु ठाकुर

केंद्रीय देल, पोत परिवहन  
और जलमार्ग राज्य मंत्री

#### रवनीत सिंह

केंद्रीय देल और द्वारा प्रसंस्करण  
उद्योग राज्य मंत्री

#### डॉ. सुकांत मजूमदार

केंद्रीय शिक्षा एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री

#### सुवेंदु अधिकारी

नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल विधानसभा

#### प्रो. सौगत राय

सांसद

#### समीक भट्टाचार्य

सांसद



दिनांक: 22 अगस्त, 2025



स्थान: दम दम, कोलकाता, पश्चिम बंगाल



समय: अपराह्न: 4:30 बजे

डीडी न्यूज पर कार्यक्रम  
को लाइव देखें

# भारतीय रेल

[www.indianrailways.gov.in](http://www.indianrailways.gov.in)हमें फॉलो करें  
 /RailMinIndia